16

अध्याय

राजभाषा हिंदी का संवर्धन

राजभाषा हिंदी का संवर्धन

मंत्रालय ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति वचनबद्ध रहते हुए उसके कार्यान्वयन को उच्च प्राथमिकता प्रदान की और इस प्रकार इस संबंध में मंत्रालय परिणामोन्मुख प्रयास कर रहा है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में हो रही दैनिक प्रगति की समीक्षा करने तथा सरकारी कामकाज में उसका उपयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव देने हेतु मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। इस समिति की बैठकें हर तिमाही में की जाती हैं तथा राजभाषा के प्रयोग की स्थिति के साथ–साथ राजभाषा नीति के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस समिति की अब तक तीन बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

राजभाषा हिंदी की संवैधानिक और सांविधिक स्थिति से कर्मचारियों को अवगत कराने के लिए हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया और उन्हें सरकारी कामकाज में हिंदी का उपयोग बढ़ाने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ताकि हिंदी में कार्य करने के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण किया जा सके।

हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय कोयला राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से एक संदेश जारी किया गया जिसमें राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास करने का अनुरोध किया गया। इसी प्रकार सचिव (कोयला) ने भी अपील जारी करके सरकारी कामकाज में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए प्रयास करने का अनुरोध किया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित की गई हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सचिव (कोयला) द्वारा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

कोयला मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों और कोयला कंपनियों के अधिकारियों को एक साझा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अगस्त,2015 में बंगलुरू में दो दिवसीय हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया। सचिव (कोयला) द्वारा उक्त सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। अपर सचिव (कोयला) ने इस सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। कोयला मंत्रालय के अधिकारियों सहित मंत्रालय के अधीनस्थ संगठनों और कोयला कंपनियों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया जिनमें नेयवली लिग्नाइट कारपोरेशन लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) तथा निदेशक (कार्मिक) सहित अन्य कोयला कंपनियों के निदेशक और महाप्रबंधक शामिल थे। इस सम्मेलन के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति की जानकारी देने के साथ–साथ राजभाषा नीति के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपने–अपने अनुभवों को आपस में बांटने का अवसर देना भी था। यह कोयला मंत्रालय द्वारा आयोजित पहला सम्मेलन था और सभी ने इसका स्वागत किया।

हिंदी में कार्य करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने हेतु नियमित रूप से विभिन्न विषयों पर हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

उपर्युक्त प्रेरक और संवर्धनात्मक प्रयासों का मंत्रालय में तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों/कोयला कंपनियों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।